



Mr.Aditya dhingra



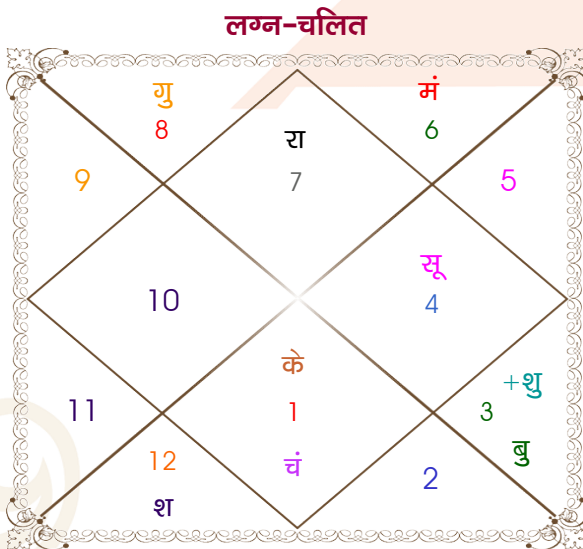
Ms.nirali

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120162502

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ स्त्रीलिंग _____
 19/07/1995 : _____ जन्म तिथि _____ 14/03/1997
 बुधवार : _____ दिन _____ शुक्रवार
 घंटे 12:51:00 : _____ जन्म समय _____ 21:45:00 घंटे
 घंटे 18:10:05 : _____ जन्म समय(घटी) _____ 38:01:20 घटी
 India : _____ देश _____ India
 Delhi : _____ स्थान _____ Panipat
 28:39:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ 29:24:00 उत्तर
 77:13:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ 76:58:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:21:08 : _____ स्थानिक संस्कार _____ -00:22:08 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ 00:00:00 घंटे
 05:34:57 : _____ सूर्योदय _____ 06:33:36
 19:19:25 : _____ सूर्यास्त _____ 18:29:35
 23:47:51 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ 23:49:05

विंशोत्तरी केतु 6वर्ष 8मा 12दि सूर्य		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी चन्द्र 6वर्ष 6मा 1दि राहु
01/04/2022		06:02:30	तुला	लग्न	तुला	13:30:55	15/09/2010
31/03/2028		02:22:42	कर्क	सूर्य	मीन	00:18:34	15/09/2028
		00:34:11	मेष	चंद्र	वृष	14:39:34	
		04:58:45	कन्या	मंगल व	कन्या	03:59:09	
सूर्य	19/07/2022	22:16:29	मिथु	बुध	मीन	03:12:44	राहु 28/05/2013
चन्द्र	18/01/2023	12:03:00	वृश्चि व	गुरु	मक	17:52:22	गुरु 22/10/2015
मंगल	26/05/2023	23:23:18	मिथु	शुक्र	कुंभ	25:32:16	शनि 28/08/2018
राहु	18/04/2024	00:48:55	मीन व	शनि	मीन	14:24:21	बुध 16/03/2021
गुरु	05/02/2025	07:48:32	तुला व	राहु	कन्या	04:56:01	केतु 04/04/2022
शनि	17/01/2026	07:48:32	मेष व	केतु	मीन	04:56:01	शुक्र 04/04/2025
बुध	24/11/2026	04:47:42	मक व	हर्ष	मक	13:27:11	सूर्य 26/02/2026
केतु	01/04/2027	00:18:30	मक व	नेप	मक	05:30:52	चन्द्र 28/08/2027
शुक्र	31/03/2028	04:07:52	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	11:46:26	मंगल 15/09/2028



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	अश्व	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शुक्र	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	वृष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	23.50		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Mr.Aditya dhingra का वर्ग सिंह है तथा Ms.nirali का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.Aditya dhingra और Ms.nirali का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.Aditya dhingra मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना ।

द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना ।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr.Aditya dhingra कि कुण्डली में द्वादश भाव में कन्या राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms.nirali मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना ।

द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना ।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms.nirali कि कुण्डली में द्वादश भाव में कन्या राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा ।
न मंगली मंगल राहु योग ।**

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Ms.nirali कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत् ।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत् ।।**

यदि एक की कुण्डली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुण्डली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Ms.nirali कि कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः ।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।**

वर या कन्या की कुण्डली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुण्डली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Ms.nirali कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः ।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।**

वर या कन्या की कुण्डली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुण्डली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Mr.Aditya dhingra कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.Aditya dhingra तथा Ms.nirali में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।